मेट्रो के १७ स्टेशनों में हुआ ७० प्रतिशत काम

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने जमीन के नीचे से लेकर ऊपर तक निर्माण कार्य की रफ्तार को बढ़ा रखा है। मेट्रो ३ कॉरिडोर का ९६ प्रतिशत से अधिक तक भूमिगत मार्ग तैयार करने के साथ ही तेजी से स्टेशन निर्माण का कार्य किया जा रहा है। कॉरिडोर के कुल २६ स्टेशनों में से १७ स्टेशनों पर ७० प्रतिशत से अधिक सिविल वर्क पूरा किया जा चुका है। ४ स्टेशनों पर ८० प्रतिशत से ज्यादा निर्माण कार्य हो चुका है, वहीं केवल ४ स्टेशनों पर २५ से ३५ प्रतिशत के बीच काम हुआ है।

एमएमआरसीएल के अनुसार एमआईडीसी स्टेशन का सबसे अधिक ८३ प्रतिशत, मरोल नाका, सिप्ज और विधानभवन स्टेशन ८१ प्रतिशत तक बनकर तैयार हो गए हैं। सीएसएमआईए, सांताक्रुज, सीएसएमटी और सिद्धिविनायक व अन्य स्टेशनों का काम ७० प्रतिशत से अधिक तक हो चुका है। देरी से शुरू हुए गिरगांव स्टेशन का निर्माण कार्य सबसे कम २४ प्रतिशत हुआ है।

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का निर्माण कार्य कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच ३३.५ किमी में किया जा रहा है। केंद्र सरकार के अड़ंगा के चलते भले ही मेट्रो कारशेड निर्माण का कार्य आरंभ नहीं हो पा रहा है, किंतु इस विवाद का असर मेट्रो मार्ग के निर्माण कार्य पर नहीं पड़ा है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) व अन्य उपकरण की मदद से करीबन पूरा मार्ग तैयार कर लिया है। एमएमआरसीएल के अनुसार आगामी कुछ दिनों में टनलिंग का शतप्रतिशत काम पूरा कर लिया जाएगा।